



# वर्षांत समीक्षा-2017: सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

Posted On: 19 DEC 2017 1:05PM by PIB Delhi

## वर्षांत समीक्षा

### सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

#### सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

लोगों को सूचना देने, शिक्षित करने और मनोरंजन का दायित्व संभालने वाले सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने अपने उद्देश्यों को हासिल करने के लिए बीते एक साल के दौरान कई कदम उठाए हैं। सूचना क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इथियोपिया के साथ भागीदारी, व्यापक मल्टीमीडिया अभियान, भारत में प्रेस को आरएनआई वार्षिक रिपोर्ट जारी करना आदि कई पहलों का साक्षी बना है। इसी प्रकार फिल्म क्षेत्र 48वें आईएफएफआई के सफल समारोह एवं प्रसारण क्षेत्र झारखंड के लिए 24x7 डीडी चैनल के शुभारंभ का गवाह बना।

#### मंत्रालय की विभिन्न क्षेत्रों में की गई पहल निम्नलिखित हैं:

##### सूचना क्षेत्र

- युवा पीढ़ी को भारत की संपन्न और विविधतापूर्ण संस्कृति एवं इतिहास से अवगत कराने के लिए किताबों के संयुक्त रूप से प्रकाशन के लिए प्रकाशन विभाग और सस्ता साहित्य मंडल के बीच समझौता (एमओयू) हुआ। इससे विभिन्न विषयों पर लोगों के बीच अच्छे साहित्य की उपलब्धता बढ़ेगी।
- भारत और इथियोपिया के बीच 'सूचना, संचार और मीडिया के क्षेत्र में भागीदारी' पर एक समझौता हुआ। इस समझौते से रेडियो, प्रिंट मीडिया, टीवी, सोशल मीडिया आदि सार्वजनिक मीडिया टूल्स के बीच भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा। इससे दोनों देशों के लोगों को ज्यादा अवसर मिलेंगे और सरकार के प्रति विश्वसनीयता बढ़ेगी।
- सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, स्वच्छ भारत, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया, राष्ट्रीय एकता दिवस जैसे 360 डिग्री मल्टीमीडिया अभियानों की शुरुआत की गई। इसमें मल्टीमीडिया प्रदर्शनियां, इन्फोग्राफिक्स, एनिमेशन, ग्राफिक प्लेट्स, लघु वीडियो के इस्तेमाल से सोशल मीडिया अभियान, कार्यक्रमों/सम्मेलनों का सीधा प्रसारण आदि इसमें शामिल है।
- छठे राष्ट्रीय फोटोग्राफी पुरस्कारों का आयोजन किया गया। श्री रघु राय को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया गया। श्री के. के. मुस्तफा को वर्ष के व्यावसायिक फोटोग्राफर और श्री रविंदर कुमार को वर्ष का गैर व्यवसायी (शौकिया) फोटोग्राफर का पुरस्कार मिला।
- चंपारण सत्याग्रहण शताब्दी समारोह के मौके पर तीन हेरिटेज पुस्तकों का विमोचन किया गया।
- बच्चों के बीच स्वच्छता के भावना को विकसित करने के लिए प्रकाशन विभाग ने 'स्वच्छ जंगल की कहानी-दादी की जुबानी' शीर्षक वाली पुस्तकों के सेट को 15 भारतीय भाषाओं में प्रकाशित किया।
- 'साथ है विश्वास है, हो रहा विकास है' प्रदर्शनी का आयोजन किया गया और सरकार की विविध क्षेत्रों में बीते 3 वर्ष की उपलब्धियों के प्रदर्शन के लिए विभिन्न राज्यों की राजधानियों में 5-7 दिन की प्रदर्शनियां लगाई गईं।
- महात्मा गांधी के संकलित कार्यों के 100 संस्करणों का विमोचन किया गया। महात्मा गांधी के संकलित कार्य (सीडब्ल्यूएमजी) गांधी के विचारों के धरोहर दस्तावेज हैं, जिन्हें लिखने की शुरुआत उन्होंने वर्ष 1884 में की थी जब उनकी उम्र महज 15 साल थी और जिनका लेखन उन्होंने 30 जनवरी, 1948 को हत्या होने तक किया था।
- पीआईबी की वेबसाइट पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पर एक विशेष वेबपेज तैयार किया गया और यह ऐसा अकेला प्लेटफॉर्म है जहां नई कर प्रणाली के पूरी जानकारी उपलब्ध है।
- आरएनआई वार्षिक रिपोर्ट-प्रिंट मीडिया के लिए एक अहम सूचकांक 'प्रेस इन इंडिया' की शुरुआत की गई। रिपोर्ट में विशेषकर क्षेत्रीय भाषा के प्रकाशनों सहित समूचे उद्योग के विकास की रूपरेखा का विश्लेषण दिया गया।

##### प्रसारण क्षेत्र

- चरण 3 के शहरी क्षेत्रों में एनालॉग सिग्नल्स को बंद कर दिया गया। केबल टीवी नेटवर्क्स (विनियमन) अधिनियम के खंड 11 के अंतर्गत 'अधिकृत अधिकारी' ऐसी स्थिति में एमएसओ/केबिल परिचालकों के उपकरण को जब्त कर सकते हैं, यदि वे 31 जनवरी, 2017 के बाद चरण 3 के शहरी क्षेत्रों में एनालॉग सिग्नल्स को जारी रखते हैं।
- डिजिटल रेडियो राउंड टेबिल सम्मेलन का आयोजन किया गया। डिजिटल रेडियो पुरौद्योगिकी किरफायती दरों पर श्रोताओं को बेहतर गुणवत्ता पूर्ण ऑडियो और भरोसेमंद सेवा उपलब्ध कराएगी। आकाशवाणी यानी आल इंडिया रेडियो पहले ही रेडियो प्रसारण के डिजिटलीकरण के पहले चरण में 37 शक्तिशाली ट्रांसमिटर्स के इंस्टालेशन और अपग्रेड करने के काम को पूरा कर चुका है।
- सरकार की विभिन्न प्रमुख योजनाओं की सफलता की कहानियों पर दूरदर्शन द्वारा 14 लघु फिल्मों का निर्माण किया गया, जिनका लोगों के जीवन पर सकारात्मक असर पड़ा और देश में व्यापक बदलाव सुनिश्चित हुआ था।
- झारखंड के लिए एक अलग 24x7 डीडी चैनल की घोषणा की गई। इस 24x7 चैनल के शुभारंभ तक डीडी बिहार पर डीडी रांची के कार्यक्रमों का प्रसारण होगा।

- अफगानिस्तान-पाकिस्तान क्षेत्र की सीमा पर प्रसारण के लिए 100 केडब्ल्यू के 2 नए शॉर्टवेव सॉलिड स्टेट डिजिटल ट्रांसमिटर्स लगाने की घोषणा की गई।
- डीडी न्यूज की नई वेबसाइट का शुभारंभ किया गया।
- सरदार पटेल स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया।

## फिल्म क्षेत्र

- दिल्ली में भारतीय पैनोरमा (चित्रमाला) फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव की शुरुआत बोबो खुरैजम द्वारा निर्देशित वृत्तचित्र 'इमा साबितरी' और अक्षय सिंह द्वारा निर्देशित हिंदी फिल्म 'पिकी ब्यूटी पार्लर' के दिखाए जाने के साथ हुई। इसमें ऐसी 5 प्रतिष्ठित फिल्मों को भी दिखाया गया, जिनमें श्री ओम पुरी ने अभिनय किया था।
- राष्ट्रीय फिल्म विरासत मिशन के अंतर्गत फिल्म कंडशन एसेसमेंट प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया गया। फिल्म संरक्षण के लिए दुनिया की अपनी तरह की विशेष परियोजना से भविष्य की पीढ़ियों के लिए फिल्मी विरासत की संपन्नता बढ़ेगी। एनएफएआई में 1,32,000 फिल्म रील रखे जाने की शर्त होगी और पहले चरण के दौरान आरएफआईडी टैगिंग के माध्यम से हर फिल्म पर नजर रखी जाएगी और निगरानी की जाएगी।
- पूर्वोत्तर फिल्म महोत्सव-भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय, पुणे में पूर्वोत्तर फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया। गोवा में हुए आईएफएफआई में भाग लेने के लिए पहली बार पूर्वोत्तर के 10 फिल्म निर्माताओं को प्रायोजित किया गया।
- दिल्ली में भोजपुरी फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म 'कब होई गवाना हमार' शामिल थी और आईएफएफआई के भारतीय चित्रमाला भाग में प्रदर्शन के लिए दो फिल्मों-नितिन चंद्रा की देसवा और मंगेश जोशी की फिल्म 'ही' का चयन भी किया गया।
- फिल्म महोत्सवों और भारत द्वारा स्थापित फिल्म फैसिलिटेशन ऑफिस प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल के माध्यम से भारत और यूक्रेन द्विपक्षीय भागीदारी को मजबूत बनाया गया।
- फिल्म और टेलीविजन में लघु पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए एफटीआईआई और कैनेन के बीच समझौता (एमओयू) हुआ, जिससे तकनीक भागीदारी के तौर पर कौशल केंद्रित पाठ्यक्रमों को सहयोग दिया जा सके। ये लघु अवधि के पाठ्यक्रमों को राज्य सरकारों, विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ भागीदारी से आयोजित किया जाएगा।
- विदेशी फिल्म निर्माताओं के लिए वीजा की नई श्रेणी बनाई गई, जिससे देश में आने के लिए उन्हें आसानी से वीजा जारी हो सकें। फिल्म वीजा और फिल्म फैसिलिटेशन ऑफिस (एफएफओ) दोनों का उद्देश्य भारत को दुनिया के प्रमुख फिल्म निर्माण स्थल के तौर पर बढ़ावा दिया जा सके।
- दिल्ली में 64वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का आयोजन किया गया। कसाव को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म और साधामानम भवाथि को पूर्ण मनोरंजन की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का पुरस्कार दिया गया। अक्षय कुमार को फिल्म रुस्तम के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, मलायलम फिल्म मीनामिनुंगा के लिए सुरभि को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार, मराठी फिल्म वेंटिलेटर के लिए राजेश मापुसकर को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार दिया गया।
- जाने-माने फिल्म निर्देशक और अभिनेता श्री कासिनाधूनि विश्वनाथ को वर्ष 2016 के दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- 48वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई), 2017 का आयोजन गोवा में किया गया। कुल 82 देशों की 196 फिल्मों, भारत में 64 अंतरराष्ट्रीय फिल्मों का प्रीमियर, 3 वैश्विक प्रीमियर, 28 ऑस्कर आवेदन का प्रदर्शन किया गया। वहीं पहली बार रेट्रोस्पेक्टिव जेम्स बॉन्ड फिल्म का प्रसारण किया गया। एक संग्रहित कलासिक फिल्मों का विशेष भाग हुआ, जिसमें टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव द्वारा तैयार कार्यक्रम पर ज्यादा जोर रहा। पिछली तारीख से लागू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार एटम एगोयान, वर्ष की भारतीय फिल्मी श्रद्धांजलि का पुरस्कार श्री अमिताभ बच्चन को दिया गया।
- वृत्तचित्र, लघु और एनिमेशन फिल्म (एमआईएफएफ), 2018 के लिए आयोजित मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव को शानदार सफलता मिल रही है, गोल्डन और सिल्वर कोंच पुरस्कारों की दौड़ में 792 फिल्में बनी हुई हैं। इसका शुभारंभ 28 जनवरी, 2018 में राष्ट्रीय ललित कला केंद्र, मुंबई में होगा।

\*\*\*

वीके/एमपी/पीकेए/पीबी/एमएस/एसएस-6021

(Release ID: 1513283) Visitor Counter : 670

